SANT LAL RAVAT (Asstt. Prof)
Deptt. of Education, N.A.S.

M.Ed. IV Sem.

Unit IV.

(A) Planing an in service Teacher Education Programme → Preliminary consideration of purpose Duration, resource requirment and Budget.

सार-संक्षेप

1960 के दशक कोठारी आयोग 1964-1966 से ही शिक्षकों की पेशेवर तैयारी को शिक्षा के गुणात्मक विकास के लिए माना लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसके क्रियान्वयन की दिशा में कुछ ही ठोस स्टेप उठाये गये। चट्टोपाध्याय समिति (1983-85) ने इस प्रकार की जानकारी बताई कि सेवारत शिक्षकों के लिए मॉडल, योजना पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, अवधि, आवश्यकता एवं संसाधनों का उचित क्रियान्वयन करना जिससे गुणात्मक शिक्षा की राह में आने वाली परेशानियों को दूर किया जा सके।

यशपाल समिति -1993. • शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की कमी के कारण कालेजों, विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता असंतोषजनक रही है। विद्यालयी शिक्षा में हुए परिवर्तनों के सन्दर्भ में इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता को सुनिश्चित करने के लिए इसकी विषयवस्तु, आयोजन मूल्यांकन, बजट, संसाधन, अवधि, प्रारम्भिक आधार आदि का

Scanned by CamScanner

~~तालमेल होना अति आवश्यक है~~ जिससे सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था - प्राथमिक - माध्यमिक, उच्च शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण व अन्य में गुणात्मक सुधार किया जा सके।

शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की जरूरतों के अनुसार शिक्षकों को निरन्तर प्रशिक्षित करने के कार्य करते रहे जिससे शिक्षा के मात्र सूचना के हस्तांतरण की प्रक्रिया में देखा जाता है।

सेवा-पूर्व और सेवाकालीन शिक्षक-शिक्षा में सम्बन्ध बनाने के लिए बहुत ही कम प्रयासों के साथ ही शिक्षकों की वास्तविक आवश्यकताओं पर भी ध्यान नहीं दिया गया। स्कूली शिक्षक विशेषकर वे जो प्रारम्भिक विद्यालयों में हैं उच्च शिक्षा केन्द्रों से रहे हुए हैं तथा बौद्धिक रूप से अलग हैं। वर्तमान शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रमों का खाका और दस्तूर कुछ पूर्व निर्धारित मान्यताओं पर आधारित है। जो शिक्षकों के विचारों तथा पेशेवर एवं व्यक्तिगत विकास को बाधित करता है।

पारंपरिक शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम शिक्षकों को इसके लिए प्रशिक्षित करते हैं कि वे अनेक माध्यमों से वर्तमान व्यवस्था की आवश्यकताओं के अनुकूल हो सकें। (A) मानकीकृत ढाँचे के अंतर्गत अध्यायों की सावधानी पूर्वक योजना (B) एक निश्चित संख्या में अध्यायों को कक्षा में पढ़ाना और उनमें निरीक्षण करना (C) स्कूल की सभाओं एवं कार्यक्रमों में पूर्ण सहभागिता (d) आवश्यक संख्या में प्रोजेक्ट और अभ्यास पूरा करने की परम्परा। • शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान पाठ योजना को पढ़ाया

जाना एक औपचारिक दिनचर्या होती है जो धीरे-धीरे युवा प्रशिक्षुओं को इस पेशे की ओर ले जाती है।

सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के उद्देश्य -

1 — शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जा रहे विषयों एवं शास्त्रों में नये विकासों के प्रति जागरूक बनाना।

2 — शिक्षकों को उनकी समस्याओं के जानने तथा संसाधनों एवं बुद्धिमान का उपयोग कर समाधान में सहायता करना।

3 — शिक्षकों की तैयारी में कमियों को दूर करना।

4 — उपेक्षित क्षेत्रों की शैक्षिक समस्याओं के प्रति शिक्षकों को संवेदनशील बनाना

5 — बदलते शैक्षिक और सामाजिक संदर्भों एवं सरोकारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में शिक्षकों को सक्षम बनाना।

6 — शिक्षकों के प्रेरणा के स्तर को बढ़ाना

7 — आत्म विश्वास, विकसित करना, पूर्वाग्रह की भावना,

8 — शिक्षकों की उनकी कमी के क्षेत्रों में एक समर्थन प्रणाली प्रदान करना

9 — उभरते प्रवृत्तियों के क्षेत्र में नये कौशलों के विकास में शिक्षकों को समर्थन प्रणाली प्रदान करना।

10 — जीवन पर्यन्त शिक्षा अधिगम की इच्छा को पोषित करना शिक्षकों को • जीवन के लिए सीखना, एवं होने के लिए सीखना • के लिए सक्षम करना आदि।

सेवाकालीन शिक्षकों को उपयुक्त संसाधनों, गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने हेतु शिक्षकों के समय-समय पर कार्यक्रम बनाये गये हैं। जैसे -

(1) → आमुखित अभिविन्यास (orientation) PMOST

Scanned by CamScanner

(2) प्राथमिक शिक्षकों के लिए - विशेष अभिविन्यास - SOPT

(3) → DIET
(4) - SCERT
(5) — CTEs
(6) — IASE
(7) — DPEP
(8) — SSA
(9) — RMSA

बहुसंख्यक राज्यों में शिक्षकों की सेवाकालीन शिक्षा केन्द्रीय सहायता की उपलब्धता से जुड़े हुए हैं। कुल मिलाकर राज्यों ने शिक्षकों की सेवाकालीन शिक्षा के लिए अपने बजट में अत्यन्त प्रावधान किये हैं। विद्यालय शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान, आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों के नियोजन तथा सर्वोत्तम उपयोग हेतु समय, धन तथा अन्य संसाधनों को लगाने के क्रम में एक महत्वपूर्ण पक्ष है।

उदाहरण प्रयोजन (A) किसी भी समस्या से निपटने के लिए परिकल्पित हस्तक्षेप की योजना बनाएं →

(B) अनुभवजन्य डेटा जमा कराये और उसका विश्लेषण करना

(C) हस्तक्षेप करने की योजना बनाना - यह इस बात पर आधारित होगा कि आपको क्या पता चलता है और उसे आपके द्वारा पहचानी गयी समस्या को आगे समझाने के लिए परिकल्पित किया जैसे →

कार्यवाही अनुसंधान एक चक्रीय प्रक्रिया है। बार-बार हस्तक्षेप और विश्लेषण करके आप कुछ या समस्या को समझने लगेंगे और उसके बारे में शायद कुछ कर पायेंगे।

आयोजन की योजना बना और सेवा शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता एवं सुधार शिक्षा के उच्च मानदण्ड स्थापित कर सके

Scanned by CamScanner

प्रिय छात्रों,

वर्तमान समय में आप, हम, देश व दुनिया सब कोरोना वायरस नामक आपदा से जूझ रहे हैं। इसका इलाज अभी तक ज्ञात नहीं है। और आप बन्द पिंजड़े में पक्षी की भाँति महसूस कर रहे हैं। इस मुश्किल दौर में आप संयम बनाये स्वच्छ रहें बार-बार हाथ धोये, साफ सफाई व स्वच्छता पर ध्यान दें डरें नहीं बल्कि डटकर मुकाबला करें। पाजीटिव सोचे, घर पर ही रहें फिट रहें। पढ़ाई करें। लोगों में जागरूकता उत्पन्न करें अपने परिवार का ख्याल रखें।

M.Ed. IV Sem. में I Unit, II Unit } HOD

III. unit, IV. unit } 9

इसमें हमने IV यूनिट से संबंधित Planing Organising and evaluation an in service Teacher Education के अन्तर्गत I भाग को समझाने का प्रयास किया है कई बिन्दुओं पर प्रकाश डालने की कोशिश किया फिर भी कुछ रह जाये तो चर्चा कर सकते हैं। आगे फिर II भाग पर चर्चा करेंगे वही यूनिट IV का भाग 2 धन्यवाद।

Scanned by CamScanner